**भारत सरकार**

**आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1971**

**31 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए**

## तेलंगाना में स्मार्ट सिटी मिशन का विस्तार

**†1971. डॉ. कडियम काव्य:**

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केन्द्र सरकार को तेलंगाना राज्य सरकार से ग्रेटर वारंगल और करीमनगर नगर निगमों हेतु स्मार्ट सिटी मिशन की अवधि जून, 2026 तक बढ़ाने हेतु कोई अनुरोध प्राप्त हुआ है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त मिशन के अंतर्गत इन दोनों शहरों में महत्वपूर्ण अवसंरचना और शहरी सुधार कार्य अभी भी किए जा रहे हैं;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त मिशन के अंतर्गत ग्रेटर वारंगल और करीमनगर में कितनी परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं और वर्तमान में कितनी चल रही हैं तथा इन परियोजनाओं की लागत कितनी है;

(घ) क्या सरकार का सभी परियोजनाओं को समय पर और प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए अनुरोधित विस्तार को मंजूरी देने का विचार है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई/की जानी प्रस्तावित है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री**

**(श्री तोखन साहू)**

(क) (घ) और (ङ) जी नहीं। 31 मार्च, 2025 को स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) के बंद होने के साथ, एससीएम के अंतर्गत कोई और बजटीय प्रावधान नहीं है। इसलिए, एससीएम के अंतर्गत कोई नया शहर शामिल नहीं किया जाएगा।

31 मार्च 2025 को एससीएम के वित्तीय समापन के बाद, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) ने तेलंगाना सहित सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 10 जून 2025 की एडवाइजरी संख्या 27 जारी की है, जिसमें सभी विशेष प्रयोजन तंत्रों (एसपीवी) से अनुरोध किया गया है कि वे सभी चल रही एससीएम परियोजनाओं को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें।

(ख) और (ग) स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) के अंतर्गत, तेलंगाना राज्य के दो शहरों, ग्रेटर वारंगल और करीमनगर का चयन किया गया है। 11.07.2025 तक, ग्रेटर वारंगल में 1,800 करोड़ रु. की कुल 119 परियोजनाओं में से 1,386 करोड़ रु. की 79 परियोजनाएँ (कुल परियोजनाओं का 66%) पूरी की जा चुकी हैं और 415 करोड़ रु. की शेष 40 परियोजनाएँ चल रही हैं।

11.07.2025 तक, शहरों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार करीमनगर में 1,094 करोड़ रु. की कुल 49 परियोजनाओं में से 979 करोड़ रु. की 37 परियोजनाएं (कुल परियोजनाओं का 76%) पूरी की जा चुकी हैं और 115 करोड़ रु. की शेष 12 परियोजनाएं चल रही हैं।

*****